ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

विषय हिंदी कक्षा 9 अभ्यास पत्र दिसंबर (2024-25)

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

आज के दौर में जिसे देखो, वही दु:खी, परेशान, हताश और उदास नजर आता है। तमाम तरह की चिताओं ने लोगों को घेर रखा है। कोई अपनी सेहत को लेकर परेशान रहता है तो कोई काम-धंधे की मंदी या वेतन में कटौती से दु:खी है। किसी को भविष्य की चिंता सता रही है तो कोई अपने मान-सम्मान के बारे में सोच कर मायूस महसूस कर रहा है। जाहिर है, ऐसे में हर कोई खुशी के पीछे भाग रहा है। कई लोग सोचते हैं कि अमीर उद्योगपति या मोटा वेतन पाने वाले पेशेवर लोग खुश रहते हैं और गरीबी या आर्थिक विपन्नता ही खुशी से वंचित रहने की एकमात्र वजह है लेकिन अगर धन से खुशी आती तो दुनिया में कई धनी लोग कुंठा और हताशा में जीवन नहीं जीते। खुशी पैसा नहीं, संतुष्टि का भाव है। यह पैसे से नहीं, हमारे प्रयासों से आती है और सबसे बड़ी बात है कि खुशी के पीछे भागने से खुशी नहीं मिलती। खुशी हमारे बिल्कुल आसपास होती है जिसे हमें पहचानना और ग्रहण करना होता है।ज्यादातर लोग खुशी हमेशा बाहर खोजते हैं जबकि यह उसी परिवार में उपलब्ध होती है, जिसका हम अहम हिस्सा होते हैं। मुश्किल यह है कि आजकल परिवार की परिभाषा सिकुड़ गई है। हम सिर्फ पति-पत्नी और अपने बच्चों को ही परिवार मानने लगे हैं जबकि भाई-बहन, देवर-देवरानी, जेठ-जेठानी, सास-ससुर, चाचा- चाची आदि सभी इस परिवार के सदस्य होते हैं। जब हम अपने परिवार के सदस्यों की खुशी में सच्चे मन से सम्मिलित होने लगते हैं और उनकी खुशी के लिए सक्रिय रहते हैं तो खुशी स्वयं हमारे पास आती है। जब हम इस मानसिकता से व्यवहार करते हैं तो परिवार के दूसरे सदस्य भी हमारे लिए ऐसा ही करते हैं। फिर खुशी न मिलने का कोई कारण नहीं हो सकता इसलिए हम भले ही एक चारदीवारी में न रह कर अलग रहते हों, अलग खाना बनाते हों लेकिन मन से हम अपने संपूर्ण परिवार से जुड़े रह सकते हैं।

(क) प्रत्येक व्यक्ति खुशी के पीछे क्यों भाग रहा है ?

1. आर्थिक विपन्नता के कारण
2. विभिन्न चिंताओं से घिरे होने के कारण
3. खुशी से स्वस्थ रह पाएँगे, ऐसी सोच के कारण
4. खुशी से पैसा आएगा, ऐसी सोच के कारण

(ख) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथनः हमें अपने परिवार की खुशियों में सच्चे मन से और सक्रियता से उपस्थित रहना चाहिए।
कारण: यही प्रसन्न रहने का एकमात्र साधन है।
विकल्पः

1. कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
2. कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
3. कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
4. कथन तथा कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नही करता है।

(ग) निम्नलिखित में से कौन-सा/से वाक्य गद्यांश से मेल खाते हैं ?

कथन I: संपूर्ण परिवार से जुड़कर खुशी पाई जा सकती है।
कथन II: दादा-दादी, चाचा-चाची, बुआ आदि को मिलाकर परिवार मानना चाहिए।
कथन III: दुनिया में सभी धनी कुंठाग्रस्त और हताश नहीं हैं।
कथन IV: तथाकथित खुशी को धन से नहीं खरीदा जा सकता।
विकल्पः

1. केवल 1
2. II और III
3. I, II, IV
4. केवल IV

(घ) आजकल लोगों की चिंता का क्या कारण है ?

(ङ) व्यक्ति के जीवन में प्रसन्नता कैसे आती है ?

प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

i. **खुशबू रचने वालों को गंदे मुहल्ले के गंदे लोग क्यों कहा गया है?**
ii. **'नए इलाके में कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।**
iii. **'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।**

प्रश्न 3 दुकानदार द्वारा गलत सामान तोलने पर ग्राहक और दुकानदार के बीच होने वाले विवाद को संवाद के रूप में 80-100 शब्दों में लिखिए।